मिलान करें

नीचे श्लोक एवं अध्याय क्रमांक दिए हैं आपको सभी श्लोकों के सही अध्याय क्रमांक का चुनाव करना है –

श्लोक	अध्याय क्रमांक
न मे भक्तः प्रणश्यति	2.38
शिष्यस्तेऽहं शाधि मां त्वां प्रपन्नम्	3.43
सुखदुःखे समे कृत्वा	6.14
जहि शत्रुं महाबाहो	10.15
संभवामि युगे युगे	11.46
पण्डिताः समदर्शिनः	12.11
युक्त आसीत मत्परः	5.18
देवदेव जगत्पते	2.7
सहस्रबाहो भव विश्वमूर्ते	9.31
सर्वकर्मफलत्यागं	18.66
मामेकं शरणं व्रज	16.22
ततो याति परां गतिम्	4.8